कक्षा आठवीं, हस्त-पत्रक,1/3

Module - (Handout - 1/3)

श्री हरि शंकर त्रिपाठी, टी.जी.टी.(एस.एस.)

ए.ई.सी.एस. -2, मुम्बई.

विषय – हिन्दी

पाठ–10 कामचोर

लेखिका – इस्मत चुगताई

लेखिका का परिचय:- जन्म - सन् 1915 ई०, मृत्यु – सन् 1991 ई०।

जन्म स्थान:- बदायूँ (उत्तर प्रदेश), मृत्यु स्थान:- मुंबई।

रचनाएँ:- नोटें, ज़िद्दी पैराहान, दिल की दुनिया, छुईमुई, चिड़ी की दुखी,एक रात आदि।

भाषा:- इनकी भाषा सरल, उर्दू-मिश्रित मुहावरेदार है।

पुरस्कार:- इस्मत चुगताई को साहित्यिक योगदान 'गालिब सम्मान' के अलावा फ़िल्मों की पटकथा लेखन के लिए 'फ़िल्म फेयर बेस्ट स्टोरी अवार्ड' भी मिल चुका है।

कहानी – कामचोर
भाग -1

- कहानी के इस भाग में लेखिका यह बताना चाहती हैं कि बच्चों और बड़ों की समझ में अन्तर होता है। लेखिका के अनुसार बच्चों का जीवन बड़ा सरल और सहज होता है। बच्चे हर काम को हँसते-खेलते हुए करते हैं। कहानी के प्रथन\म भाग में अमीर घर के उन शरार्तीए बच्चों का वर्णन है जिन्हें बचपन से काम करने की आदत नहीं डाली गई है जिससे वे आलसी और निकम्मे हो गए हैं। पहले पिता जी घर के नौकरों को निकालने का आदेश देते हैं ताकि बच्चे कुछ काम खुद करे।
- इसके बाद पिता जी ने फ़रमान जारी किया “जो काम नहीं करेगा, उसे रात का खाना नहीं मिलेगा।” बच्चों को फ़र्शी-दरी साफ़ करने, पौधों को पानी देने, आँगन का कूड़ा साफ़ करनेन का काम बताया गया। साथ में तन्ख्वाह मिलने का प्रलोभन भी दिया।

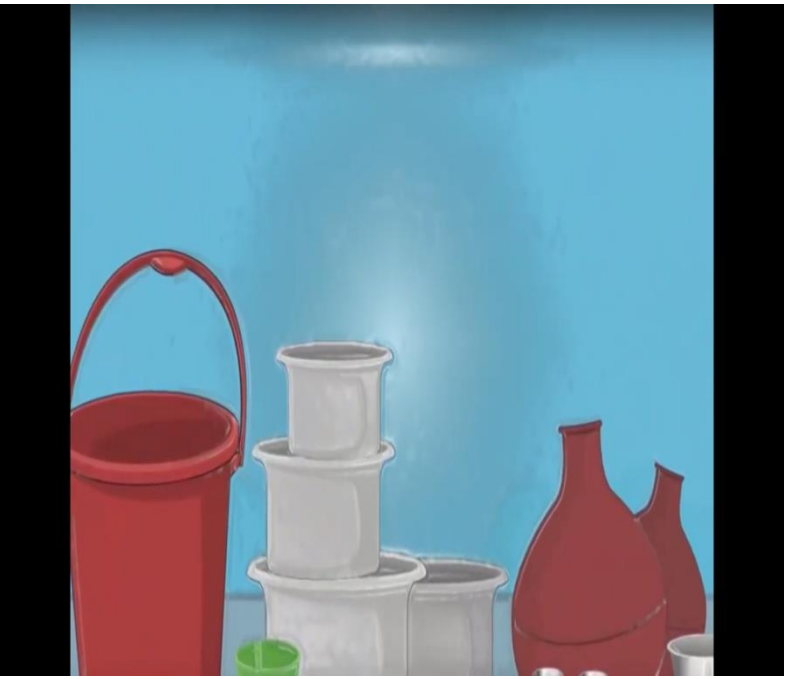

- बच्चों ने फ़र्शी-दरी उठाकर झाड़ना शुरु किया। दो-चार बच्चे लकड़ियों से धूल झाड़ने लगे। इससे धूल सिर पर जम गई। आँख-नाक में धूल जाने से बच्चों का खाँसते-खाँसते बुरा हाल हो था। अब बच्चे बाहर निकाले गए।
- इसके बाद बच्चों ने आँगन में झाड़ू लगाने का फ़ैसला किया। तन्ख्वाह के लालच में हर बच्चा अधिक से अधिक काम करना चाहता था जिससे झाड़ू की टुकड़े-टुकड़े होने लगे।अचानक उन्हे धूल में पानी छिड़कने का खयाल आया। सबसे पहले दरी पर पानी छिड़का। पानी और धूल से दरी कीचड़ में सन गई। अब सभी बच्चे आँगन से निकाले गए।